(2) मानवीय स्रोत (Human resources)

मानव के विभिन्न क्रियाकलापों द्वारा वायु प्रदूषण में निरन्तर वृद्धि हो रही है। वायु प्रदूषण के प्रमुख मानवीय स्रोत निम्न हैं:

(i) परिवहन

बैलगाड़ी युग से जेट युग तक की यात्रा में मानव ने वायुमण्डल को अत्यधिक प्रदूषित किया है। वायु प्रदूषण के स्रोतों में सर्वाधिक 42.1. परिवहन के साधनों द्वारा होता है। स्वचालित वाहनों द्वारा पेट्रोल व डीजल के दहन की प्रक्रिया में बड़ी मात्रा में ऑक्सीजन की खपत होती है तो दूसरी ओर धुएँ के रूप में निकलने वाली विषैली गैसें व कण वायुमण्डल को दूषित करते हैं। एक कार को प्रतिदिन 90 किग्रा वायु की आवश्यकता होती है इस आधार पर वाहनों द्वारा होने वाली ऑक्सीजन की खपत का अनुमान लगाया जा सकता है।

(ii) घरेलू कार्यों में दहन

मनुष्य को विभिन्न कार्यों के लिए ऊर्जा की आवश्यकता होती है। इनमें घरेलू कार्य, उद्योग, कृषि, परिवहन आदि सम्मिलित हैं।